

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शनिवार 23 दिसंबर 2023



भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के
नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष
**माननीय श्री किरण
सिंह देव जी** के
प्रदेश अध्यक्ष बनने के
पश्चात माता कौशल्या की भूमि,
प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की
पावन धरा में प्रथम आगमन पर

**हार्दिक स्वागत...
वंदन... अभिनंदन**



भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़



Agriculture & Industrial Needs


GREEN FIELD AGRICO
ग्रीन फील्ड

नांगर फॉल/रोटावेटर ब्लेड

निर्माता: एमसन ऑटो

9 ब्लॉक-भनपुरी, रायपुर (छत्तीसगढ़) फोन: 0771-2224452, 4030531

098261-64452, 099930-30531

मेहनत से एक बीज को
बड़ी फसल में बदलते हैं,
आओ उस किसान के
विकास को आज सरहायें...

**किसान
दिवस**
की हार्दिक
शुभकामनाएं...

Contact for Ad
Mob.: 9340808313

Aries 2030

aries agro limited
www.ariesagro.com

किसान दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं....

ऐरिज एग्रो लाये है फसलों के लिए विशेष नये उत्पाद

MAJORSOL

aries agro limited

अधिक जानकारी के लिए मिस्ड कॉल दीजिए
080105 59929

Branch Office : Aries Agro Ltd.
Near Jalaram Dharamkanta, 1st Gali
Industrial Area, Bhanpuri, Raipur (C.G.)
Mob. 9137852800, 9137852801

SONALIKA
LEADING AGRI EVOLUTION

**AGRO
SOLUTIONS**
किसान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...
**HARVESTING
GOLDEN FUTURE**

SONALIKA SAMRAT
MULTI CROP HARVESTER

**सब्सिडी
उपलब्ध**
WORLD'S NO.1
HEAVY DUTY RANGE
Authorised Dealer
RADHA ENTERPRISES

 Opposite Raju Dhaba, NH-53, Bilaspur Bypass Junction,
Raipur 492101, Mob.: 9406373821

कोठारी मिल स्टोर्स


इलेक्ट्रिक मोटर


 रबर रोल सेलर
मिटर टाईप


जेट पॉलिशर


 चार रोल रबर रोल सेलर
रो फैन के साथ


रबर सेलर अपर विलनर



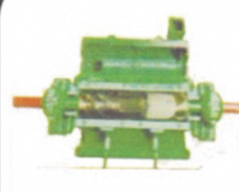
कोन पॉलिशर



राईस हॉलर नं. 8



राईस हॉलर नं. 2



राईस हॉलर नं. 8 गोल्ड



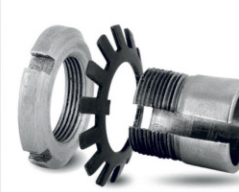
आटा चक्की टी/पी



आटा चक्की स्टैण्डिंग



वी-बेल्ट



सॉकेट



साफ्टींग



यूसीपी



डबल बॉल बेयरिंग

गुरुनानक चौक के पास, स्टेशन रोड, रायपुर (छ.ग.)

0771-4034274

93000 48074, 93008 08366

kotharimillstores.co.in, kotharimillstore@gmail.com

रायपुर

शनिवार, 23 दिसंबर 2023

अगहन शुक्ल पक्ष एकादशी

वर्ष : 22, अंक : 156

पृष्ठ : 12+6+4 = 22 मूल्य : 5.00 **

मौसम

अधि. 26.8

न्यून. 12.3

haribhoomi.com

inh

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY | airtel

चैनल नं. 1155 | चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बजरंग पीएम आवास के बाहर फुटपाथ पर पद्मश्री रखकर लौटे

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव होने के बाद नए अध्यक्ष संजय सिंह का विरोध शुरू हो गया है। बृजभूषण शरण सिंह का विरोध करने वाले पहलवान चुनाव के नतीजों से बेहद निराश हैं। बजरंग पुनिया ने अपना पद्म श्री पुरस्कार लौटा दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पुनिया को प्रधानमंत्री आवास के सामने फुटपाथ पर पद्म श्री पुरस्कार रखकर लौटते देखा जा सकता है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नए साल की शुरुआत में 11 ट्रेन रहेंगी रद्द, केरल पटना और हैदराबाद की यात्रा होगी मुश्किल

दक्षिण मध्य रेलवे के बल्लारशाह सेक्शन में 1 से 13 जनवरी तक तीसरी रेल लाइन का होगा काम

हरिभूमि न्यूज >>> रायपुर

नए साल के जश्न से पहले रेलवे ने रायपुर से गुजरने वाली विभिन्न ट्रेनों को रद्द कर यात्रियों को बड़ा झटका दिया है। तीसरी रेल लाइन का

कार्य बताकर रेलवे ने 1 से 11 जनवरी तक अलग-अलग तारीख में कोचुवेली और तिरुनेलवेली, यशवंतपुर, हैदराबाद, पटना जाने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों को रद्द कर दिया है। नए साल >>>शेष पेज 5 पर

सफर करने ट्रेनों का विकल्प नहीं

रेलवे बीते कुछ सालों से पूर्व व त्योहार के समय में ट्रेनों को रद्द कर रहा है। यात्रियों को उम्मीद थी कि नए साल में ट्रेन रद्द नहीं होगी, लेकिन रेलवे ने एक बार फिर यात्रियों का भरोसा खो दिया। वर्तमान में ठंड के >>>शेष पेज 5 पर

यह ट्रेन रहेगी रद्द

- 22648 कोचुवेली कोरबा एक्सप्रेस 1 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 22619 बिलासपुर तिरुनेलवेली एक्सप्रेस 2 और 9 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 22647 कोरबा कोचुवेली एक्सप्रेस 3 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 22620 तिरुनेलवेली बिलासपुर एक्सप्रेस 31 दिसंबर और 7 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 12251 यशवंतपुर कोरबा एक्सप्रेस 9 और 14 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 12252 कोरबा यशवंतपुर एक्सप्रेस 11 और 14 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 07051 हैदराबाद रक्सौल स्पेशल एक्सप्रेस 30 दिसंबर और 6 व 13 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 07052 रक्सौल सिकंदराबाद स्पेशल एक्सप्रेस 2, 9 और 16 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 03253 पटना सिकंदराबाद स्पेशल एक्सप्रेस 1, 3 और 8 व 10 जनवरी को रद्द रहेगी।
- 07255 हैदराबाद पटना स्पेशल एक्सप्रेस 3 और 10 जनवरी को रद्द रहेगी।
- सिकंदराबाद से प्रारंभ होने वाली सिकंदराबाद पटना स्पेशल एक्सप्रेस 5 और 12 जनवरी को रद्द रहेगी।

एक झटके में सैकड़ों एल्डरमैन आउट

हरिभूमि न्यूज >>> रायपुर

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आने के बाद अब कांग्रेस राज में मनोनीत लोगों पर गाज गिरनी शुरू हो गई है। इस क्रम में राज्य सरकार ने शुक्रवार को प्रदेशभर के सभी नगरीय निकायों में मनोनीत एल्डरमैन को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। बताया गया है कि हटाए गए एल्डरमैन की संख्या सैकड़ों में है। राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के विशेष सचिव के हस्ताक्षर से एल्डरमैन को हटाने का आदेश जारी किया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि प्रदेश के नगर पालिका निगम, नगर पालिका परिषद, और नगर पंचायतों में छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1956 की धारा 9 उपधारा(1) खंड (ग) अथवा छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 19 उपधारा (1) खंड (ग) के प्रावधान के अंतर्गत नामांकित पार्षद के रूप में (एल्डरमैन एवं दिव्यांग मनोनीत सदस्य) की नियुक्तियां राज्य शासन द्वारा तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाती है।

किस निकाय में कितने एल्डरमैन

नगरीय प्रशासन विभाग के सूत्रों के मुताबिक प्रदेश भर में निकायों से हटाए गए एल्डरमैन की संख्या 1200 है। इन सभी की नियुक्तियां राज्य में 2018 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद अलग-अलग समय में की गई थी। प्रदेश में नगर निगमों की संख्या 14 है। हर निगम में 8-8 एल्डरमैन मनोनीत थे। इसी तरह प्रदेश में नगर पालिका परिषद की संख्या 47 है। हर नगर पालिका परिषद में एल्डरमैन की संख्या 5-5 रखने का प्रावधान है। इसी तरह प्रदेश >>>शेष पेज 5 पर

सांसदों के निलंबन पर कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों ने हर राज्य में किया विरोध प्रदर्शन

खड़गे बोले- मुझे इस बात का धक्का लगा

खड़गे ने कहा मुझे इस बात का बहुत धक्का लगा कि उच्च संवैधानिक पद पर बैठे लोग कहते हैं कि मैं इस जाति का हूँ, इसलिए मुझे अपमानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा अगर आपकी यह हालत यह है तो मेरे जैसे दलित की क्या हालत होगी।

भाजपा सभी समस्याओं की जड़: शरद पवार

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि भाजपा सभी समस्याओं की जड़ है। देश की संसद को, प्रजातंत्र को बचाने के लिए जो कुछ कीमत देनी पड़ेगी, वो कीमत चुकाने के लिए सभी विपक्षी दल तैयार हैं।

छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस का प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में विपक्षी सांसदों के निलंबन कार्यवाही एवं लोकतंत्र की हत्या के विरोध में एक दिवसीय धरना, प्रदर्शन किया गया। राजधानी रायपुर में एआईसीसी महासचिव एवं प्रदेश प्रमारी कुमारी सैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला सहित बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ये नफरत और मोहब्बत के बीच की लड़ाई: राहुल

राहुल गांधी ने कहा, हम सब विपक्ष के नेता और विपक्ष के कार्यकर्ता एक साथ खड़े हैं। ये लड़ाई नफरत और मोहब्बत के बीच की लड़ाई है। राहुल ने कहा जितनी आप नफरत फैलाओगे। इंडिया गठबंधन उतनी ही मोहब्बत फैलाएगा।

MARUTI SUZUKI ARENA

इस क्रिसमस, चुनें अपने लिए एक शानदार नई सवारी!

मारुति सुजुकी एरीना पर आज ही हमारे बेमिसाल ऑफर्स का आनंद उठाएं!

महा बचत

ALTO K10 ₹64 000*

WAGONR ₹64 000*

S-PRESSO ₹64 000*

CELERIO ₹59 000*

SWIFT ₹59 000*

9 DAYS TO GO

OFFER VALID TILL STOCK LASTS.

100% ON-ROAD FUNDING AVAILABLE

SCAN TO CHAT WITH US

ALTO S-PRESSO SWIFT WAGONR CELERIO

(K10)

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI DEALERSHIP.

Black glass on the vehicle is due to lighting effect.

SKY AUTOMOBILES

RAIPUR: MAHOBA BAZAR: CALL: 9893307422, 9584433191. AVANTI VIHAR: CALL: 9109900120, 9584433131. DHAMTARI: CALL: 9893307417. BALODA BAZAR: CALL: 9584433123, 9111107004. SARAIPALI: CALL: 9584433874. KANKER: 6889998604. KASDOL: 9584433135. SARSIWA: 9584433874. TILDA: 9584465301. KHARORA: 9584465301. ABHANPUR: 9584466869. JAGDALPUR: 9584433110, 9584465281. KONDAGAON: 79099033505.

SPARSH AUTOMOBILES

RAIPUR: PACHPEDI NAKA: CALL: 9926127774, 8435059922. MAHASAMUND: CALL: 8435019922. RAJIM: CALL: 9926104449. BHATAPARA: CALL: 9285505780. GARIYABAND: 9753225616. PITHORA: 9926602080. CHARODA: CALL: 6262043029. DURG: CALL: 6262043029. RAJNANDGAON: CALL: 9977039992. DONGARGARH: CALL: 9827643832. BHILAI: CALL: 9826440009, 9689214825. KHAIRAGARH: 8839811678.

VISHWABHARTI AUTOMOBILES

RAIPUR: MOWA: 6262620000, 6262620012, 6262620047. BASNA: 6262620031. ARANG: 6262620007/714.

HON MOTORS

RAIPUR: TATIBANDH: CALL: 7909800007, 7909800005. BAGBAHRA: 7909800034. KURUD: 7909800050. SIMGA: 7909800070.

CHOUHAN AUTOMOBILES

BHILAI: 7222910011, 22, 33. KAWARODA: 7222910044. BEMETERA: 7222910025. BALOD: 7222910012. DALLIRAJHARA: 7222910029

*Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer, 2 ks 4 wheeler offer and Gold voucher (wherever applicable) on selected models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. **Terms and conditions apply. Finance scheme details mentioned in the advertisement are at the sole discretion of the financier and terms and conditions as specified by the financier shall apply. Credit at the sole discretion of the Bank. 100% on-road funding is provided by select financiers only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. The price given in the ad is based on Raipur prices and are subject to vary based on the dealer city. Above offers are valid till 31st December 2023.

चिंतन

बढ़ते कर्ज के प्रति सतर्क रहे सरकार

भारत सरकार को सतर्क रहने की जरूरत है। देश पर कुल कर्ज 205 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। इस वर्ष मार्च में देश पर कुल कर्ज 200 लाख करोड़ रुपये था, यानी बीते 6 महीने में 5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बढ़ गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने भारत सरकार को चेताया है कि सरकार अगर इसी रफ्तार से कर्ज लेती रही तो देश पर जीडीपी का 100 फीसदी कर्ज हो सकता है और ऐसा हुआ तो सरकार के लिए कर्ज का भुगतान करना मुश्किल होगा। यूं तो घाटे के बजट वाली अर्थव्यवस्था को प्रगतिशील मानी गई है, लेकिन कर्ज इतना ना हो जाय कि ब्याज देनदारी में ही पसीने छूटे और भुगतान का संकट पैदा हो जाय। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था बहुत तेज गति से विकास कर रही है, इसी के साथ सुरसा की भांति बढ़ते कर्ज अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। हाल के वर्षों में कर्ज के चलते देशों की अर्थव्यवस्था बेटपरी होते देनिया ने देखी है। पाकिस्तान, श्रीलंका का उदाहरण सामने है। कुछ वर्ष पूर्व तुर्की, स्पेन की सरकार का संकट हमने देखा है। भारत की प्रीबिज राजनीति जिस तरह चलने में आ गई है, इससे सरकारों पर कर्ज बढ़ने का खतरा और बढ़ गया है। कर्च रिपोर्ट के अनुसार देश का कुल कर्ज चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में बढ़कर 2.47 लाख करोड़ डॉलर (205 लाख करोड़ रुपये) पर पहुंच गया है। वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में कर्ज 200 लाख करोड़ रुपये था। इनमें केंद्र सरकार का कर्ज 161.1 लाख करोड़ है, तो कुल कर्ज में राज्य सरकारों की हिस्सेदारी 50.18 लाख करोड़ रुपये है। अकार के हिसाब से बेशक भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं बड़ी इकोनॉमी है, लेकिन लगातार कर्ज का बढ़ना सरकार के लिए नया संकट खड़ा कर सकता है। देश के हर नागरिक पर 1.40 लाख रुपये का कर्ज है। सरकार को फिजूल खर्ची बंद करनी होगी, संपत्ति निर्माण से जुड़े खर्च बढ़ाना होगा, मुफ्तगिरी वाली योजनाओं को बंद करना होगा, विकास की दिशा को संपत्ति सृजन की तरफ मोड़ना होगा। चालू वित्त वर्ष में सरकार का राजकोषीय घाटा व वित्तीय घाटा दोनों बढ़ा है। ये अनुमानित लक्ष्य से अधिक हैं। ऐसे में सरकार पहले से ही वित्तीय दबाव में है। जीसीडीटी कलेक्शन और प्रत्यक्ष कर संग्रह में वृद्धि हुई है, लेकिन इसी के साथ सरकारी बैंकों का एनपीए भी बढ़ा है। बैंड बैंक के आईडिये से सरकारी बैंकों की माली हालत में सुधार नहीं हुआ है, उन पर गैर निष्पादित अस्तियों का दबाव बना हुआ है। राज्यों की केंद्र पर वित्तीय निर्भरता बनी हुई है, राज्य वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो रहे हैं, उल्टे उनके कर्ज बढ़ते जा रहे हैं। सरकारों को समय रहते कर्ज पर अंकुश लगाना होगा। आईएमएफ ने कहा है कि भारत को लॉंग टर्म में कर्ज चुकाने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, आईएमएफ की इस रिपोर्ट पर केंद्र सरकार ने असहमति जताई की है। भारत सरकार का मानना है कि सरकारी कर्ज से जोखिम काफी कम है, क्योंकि ज्यादातर कर्ज रुपये में है। आईएमएफ का कर्ज बढ़ने का दावा अतिशयोक्ति जरूर लग सकता है, लेकिन सरकार पर भारी कर्ज भविष्य का संकट है। सरकार को समझदारी से खर्च प्रबंधन के उपायों को अपनाना चाहिए। आईएमएफ की चेतावनी को हल्के में लेना ठीक नहीं होगा। सरकार बढ़ते कर्ज के प्रति सतर्क-सजग रहे तो अच्छा है।

बलिदान दिवस

डॉ. जगदेव सिंह विद्यालंकार



अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द

धन्य है जालन्धर जिले के तलवन ग्राम की वह भूमि जहां नानकचन्द के घर में 1856 में स्वामी श्रद्धानन्द सरीखे राष्ट्रपुरुष ने जन्म लिया। यद्यपि मुन्शीराम का आरम्भिक जीवन पिता के उच्चपदस्थ एवं धनसम्पन्न होने के कारण कुमारांगामी हो गया था और शराब, मस आदि के सेवन से अत्यधिक दुर्व्यसनी हो गया था, परन्तु शीघ्र ही उनके जीवन का सौभाग्य उदय हो गया। संयोग से महर्षि दयानन्द उस बरेली नगर में वेदप्रचार करने के लिए पहुंच गए जहां मुंशीराम के पिता नानकचन्द शहर कोतवाल थे और महर्षि के प्रवचनों के प्रबन्धक थे। जब नानकचन्द ने भव्य ऋषि के प्रवचन सुने तो उन्हें विश्वास हो गया कि मेरे पथप्रद पुत्र को ये ही सन्मार्ग पर ला सकते हैं और हुआ भी वहीं। ऋषि के व्याख्यान सुनकर मुन्शीराम महात्मा मुन्शीराम बन गए और जीवन में कुछ कर गुजरने का संकल्प कर लिया। उस दिव्य ऋषि के शिष्य ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। त्याग, तप और संयम की भट्टी में स्वयं को ऐसा झोंका कि कुन्दन बनकर निकले। छतीस वर्ष की आयु में विधुर होने के बाद कठोर ब्रह्मचर्य व्रत को धारण किया। राजा जनक की भांति निर्लिप्त भाव से गृहस्थ धर्म के उत्तरदायित्व को पूरा किया। शीघ्र ही स्वामी दयानन्द द्वारा बताए हुए सन्देशो को कार्यान्वित करने के लिए गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को प्रारम्भ करने हेतु संकल्प लिया और केवल छह महीने के समय में तीस हजार रुपये एकत्रित कर लिए जो आज के तीस करोड़ के बराबर थे। महात्मा मुंशीराम की पारखी बुद्धि में यह जान लिया था कि गुरुकुल शिक्षा प्रणाली ही वह सरणी है जिस पर चलकर इस देश का युवा स्वावलम्बी, स्वाभिमानी और आत्मसमानी बनकर राष्ट्र की पराधीनता की जंजीरों को काट सकता है तथा धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टि से पतनोन्मुख राष्ट्र को समान्य पर प्रशस्त कर सकता है। 'उपहरे गिरिणां संगमे च नदीनां चिया विप्रो अजायत' इस वेदमन को मन में संजोकर 1902 में हरिद्वार के निकट कांगड़ी गांव में गंगा की दो धाराओं के मध्य गुरुकुल की स्थापना कर दी और सबसे पहले अपने दोनों पुत्रों हरिश्चन्द्र और इन्द्र को गुरुकुल में प्रविष्ट कर दिया। गुरुकुल कांगड़ी ने एक से बढ़कर

एक विद्वान, साहित्यकार, पत्रकार, लेखक और वक्ता प्रदान किए। नारी शिक्षा के लिए भी महात्मा मुन्शीराम ने जालंधर में कन्या विद्यालय की स्थापना की। स्वामी श्रद्धानन्द त्याग और तप की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति दान में दे दी। प्रेस और किले के आकार की भय कोठी को भी आर्य समाज को दे दिया। ऐसा सर्वमेध यज्ञ करने वाला कोई किरला ही होता है। अपने गुरु महर्षि दयानन्द के आदेश का स्वामी श्रद्धानन्द ने अक्षरशः पालन किया। संन्यास लेने के बाद स्वामी जी ने गुरुकुल को छोड़ दिया और दिल्ली में रहकर स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लिया। महात्मा गांधी स्वामी जी को अपना बड़ा भाई मानते थे और उनके सम्मान में चरणस्पर्श करते थे। जलियांवाला निर्मम हत्याकांड के तुरन्त बाद अमृतसर में कांग्रेस का अधिवेशन स्वामी श्रद्धानन्द ने अपने बलबूते पर कराया और स्वयं स्वागताध्यक्ष बने तथा अपने स्वाभिमान और राष्ट्रप्रेम का परिचय देते हुए हिंदी में भाषण दिया। रोलेट एक्ट के विरोध में बड़े भारी जुलूस का नेतृत्व करते हुए दिल्ली के चादनी चौक के घंटाघर के पास जब गोरे सिपाहियों ने संगीनों तान दी तो निर्भीक स्वामी जी ने अपनी छाती अड़ा दी। 'हिम्मत है तो चलाओ गोली' तब स्वामी श्रद्धानन्द की हुंकार सुनकर गोरे की संगीनें झुक गई। स्वामी श्रद्धानन्द की निर्भीकता, निष्पक्षता और मानवता को देखकर ही मौलाना अब्दुल्ला चुड़ीवाल ने जामा मस्जिद में भाषण देने के लिए आमन्त्रित किया और स्वामी जी ने जामा मस्जिद के दिम्बर पर खड़े होकर वेदमन्त्रों का उच्चारण करते हुए एक घंटे का भाषण दिया और उसके दो दिन बाद फतहपुरी मस्जिद में भी स्वामी जी का भाषण हुआ। स्वामी जी ही एक मात्र ऐसे हिन्दू नेता थे जिन्होंने मस्जिद में भाषण दिया भाई-चारे का सन्देश दिया। स्वामी जी के शुद्ध आन्दोलन बहुत जोर-शोर से चलाया और जो स्वेच्छा से हिन्दू बनना चाहते थे उन्हें स्वामी जी शुद्ध करके हिन्दू (आर्य) बना देते थे। स्वामी जी के इस कार्य के महत्व को समझें बिना कुछ संकीर्ण स्वार्थी महत्वाकांक्षी व्यक्तियों के मुसलमान भाइयों को भड़काने और गुमराह करने का दुष्कृत्य किया जिसके परिणामस्वरूप अब्दुल रशीद नाम के एक अर्माध मुसलमान ने रणगवस्था में विश्वास करते हुए स्वामी जी पर 23 दिसम्बर 1926 को तीन गोली मार कर शहीद कर दिया। ऐसे धुन के धनी, सत्योपासक, मानवता के सेवक, महान देशभक्त, वीर बलिदानी शताब्दियों बाद जन्म लेते हैं। ऐसे महान राष्ट्रवादी महापुरुष को बार-बार प्रणाम।

(लेखक जेयानिकुत्तु प्रार्थार्थ हैं, ये उनके अपने विचार हैं)



दिवस विशेष

रवि शंकर



खाद्य पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमत हमारे लिए खतरे की घंटी है। आयातित अनाज के भरोसे खाद्य सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती। इस देश के किसानों को आर्थिक उदारवाद के समर्थकों की सहानुभूति की जरूरत नहीं है। अगर देश की हालत सुधारनी है, गरीबी मिटानी है और किसानों की हालत में सुधार करके उनका जीवन स्तर ऊपर उठाना है तो सबसे पहले कृषि क्षेत्र की हालत सुधारना सबसे आवश्यक है। देश की आधी से ज्यादा आबादी कि स्थिति सुधारे बिना देश का विकास नहीं हो सकता है, इसलिए जरूरत है इसकी महत्ता को कागज़ों से निकाल कर किसानों के बीच ले जाने की।

हमारी बहुत सी परेशानियों का कारण हमारा मोह



संकलित

दर्शन

श्रीरामचरितमानस और अन्य ग्रंथों का जीवन में महत्व समझें। आप कह सकते हैं कि भागदौड़ भरे जीवन में ग्रंथ पढ़ने का समय कहां से निकालें? मैं कहता हूं कि आज के इस दौर में तो इंटरनेट के जरिए भी बहुत से ग्रंथ पढ़ कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया जा सकता है। ये ग्रंथ हमारे गुरु हैं। कलिकाल में समस्याओं के समाधान का एक बड़ा साधन और उपाय हरि नाम है। स्वयं भगवान शिव राम नाम पुजते हैं। राम परम तत्व हैं। हमारी बहुत सी परेशानियों का कारण हमारा मोह है। मोह रूपी रावण को राम ने मारा था। हमारे भीतर महामोह का महिषासुर बैठा है। महिषासुर का वध राम ने नहीं, मां काली ने किया था। इसे मारने के लिए हम राम कथा का सहारा लें। राम कथा एक ओर जहां काली के रूप में करा़ल है, तो वहीं चंद्रमा की किरणों की तरह उसमें कोमलता-शीतलता भी है। प्रसन्न रहना है तो प्रत्येक व्यक्ति पर, प्रत्येक बात और प्रत्येक परिस्थिति पर संदेह करने की आदत छोड़नी होगी। एक समय सती ने शिव की बातों का विश्वास नहीं किया और भगवान की परीक्षा लेने लगीं। इस कारण अंत में उन्हें शिव वियोग का सामना करना पड़ा। शंकर विश्वास हैं। भक्ति में संशय का कोई स्थान नहीं। विश्वास जीवन है, संशय धर्म नाश तक ले जाता है। एक बात और, किसी भी विपरीत परिस्थिति या किसी भी कठिनाई को विपत्ति मत समझें। श्रीरामचरितमानस की प्रसिद्ध पंक्ति है- कह हनुमंत बिपत्ति प्रभु सोई। जब तब सुमिरन भजन न होई॥

अंतर्मन



करंट अफेयर

कनाडा गाजा के नागरिकों को अस्थाई वीजा देगा

कनाडा ने गाजा पट्टी के उन लोगों को अस्थाई वीजा देने की घोषणा की है जिनके रिश्तेदार कनाडा में रहते हैं। कनाडा का आइजन मंत्री मार्क मिलर ने बुधस्पर्तिवार रात इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान नौ जनवरी तक शुरू हो सकता है। हालांकि संघीय सरकार ने युद्धग्रस्त क्षेत्र से नागरिकों की सुरक्षित निकासी का कोई आश्वासन नहीं दिया है। आइजन मंत्री मिलर ने कहा कि सरकार का ध्यान 660 कनाडाई नागरिकों, स्थाई निवासियों और उनके जीवनसाथियों तथा बच्चों को गाजा से बाहर निकालने पर है। मिलर ने कहा कि सरकार माता-पिता, दादा-दादी, भाई-बहन और पोते-पोतियों सहित कनाडा से जुड़े विस्तारित पारिवारिक संबंध वाले लोगों के लिए आवेदन स्वीकार करना शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि मानकों पर खरे उतरने वालों को सरकार तीन वर्ष के लिए वीजा देगी। मिलर ने कहा कि वह निश्चित तौर पर यह नहीं बता सकते कि इस अभियान के तहत कितने लोग कनाडा आ सकते हैं लेकिन उन्होंने कहा कि यह संख्या सैकड़ों में हो सकती है। आइजन मंत्री ने साथ ही कहा कि कनाडाई नागरिकों को गाजा से निकालना मुश्किल रहा है हमारी क्षमताएं सीमित हैं।'



संचार करते हैं। लेकिन इस स्तर पर माप कठिन (प्रयोगशाला-आधारित) है और एक सीमित तस्वीर प्रदान करता है। इस प्रकार, हम नेटवर्क स्तर पर किए गए मापों पर अधिक भरोसा करते हैं, जहां मस्तिष्क या नेटवर्क की एक श्रृंखला सक्रिय होती है। या, हम संपूर्ण मस्तिष्क गतिविधि पैटर्न को मापते हैं जिसमें एक या अधिक तथाकथित 'मस्तिष्क अवस्थाएं' शामिल हो सकती हैं।

विचार हरिभूमि 2

किसानों को संकट से उबारना जरूरी

किसान दिवस पर भारत जैसे कृषि प्रधान देश में किसान की स्थिति देखकर देश के तमाम विकास के दावे बेमानी लगने लगते हैं। इसका एक कारण सरकार द्वारा किसानों पर जितना ध्यान देना चाहिए, उतना नहीं देना है। मालूम हो,सरकार ने किसानों को 2022 तक उनकी आय दो गुना करने का वादा किया था। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लागत का डेढ़ गुना करने का वादा किया था, लेकिन वादे केवल वादे ही बनकर रह गए। गौर करने वाली बात यह है कि हमारे देश में अब भी किसानों की औसत आय इतनी कम है इससे उनका भरण-पोषण नहीं हो सकता।



दर अर्थव्यवस्था की गतिशीलता का पैमाना हो, मगर खाद्य असुरक्षा को लेकर कृषि प्रधान देश की ऐसी दुर्दशा होना निश्चित ही गंभीर बात है। गौरतलब है कि भारत की आबादी एक अरब 41 करोड़ से ऊपर जा चुकी है। द मिलेनियम प्रोजेक्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि सन 2040 तक भारत की आबादी लगभग एक अरब 57 करोड़ हो जाएगी। ऐसे में सभी लोगों को भोजन मुहैया करना एक बड़ी चुनौती होगी। हकीकत यह है कि अगर इस देश में सभी लोग दो जुन भरपेट भोजन करने लगें तो देश में अनाज की भारी किल्लत पैदा हो जाएगी। भुखमरी का यह तस्वीर कृषि संकट का ही एक चेहरा है। असल में कृषि क्षेत्र जिस घोर संकट में फंसा हुआ है, उसका एक बड़ा कारण किसानों की आत्महत्याओं में दिखाई पड़ रहा है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि कृषि प्रधान देश भारत में कृषि और किसान कितनी मुश्किलों से गुजर रहे हैं, यह जानने के लिए तो किसी अध्ययन या शोध की जरूरत सरकार को नहीं होनी चाहिए। बरसों से देश के विभिन्न हिस्सों से किसानों द्वारा आत्महत्या करने की खबरें आ रही हैं, तो दूसरी तरफ तेजी से खेती से विमुख हो रहे लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। इन

हालात में, खासकर तब जबकि बेलगाम आबादी के लिए मंडराते खाद्यान्न संकट के मद्देनजर सरकार एक और हरित क्रांति की जरूरत पर जोर दे रही है। अगर भारतीय कृषि और किसान को गहरे संकट से उबारना है, तो कुछ बड़े और कड़े फैसले सरकार को करने पड़ेंगे। भले ही पिछले दशक में कृषि क्षेत्र के लिए ऋण मंचाहे जितना इजाफा किया गया हो लेकिन आज भी छोटे और सीमांत किसान अपनीजरूरतों की पूर्ति के लिए सेठ-साहूकारों की ही मदद लेते हैं। ऐसा लगता है कि बैंकों की ऋण सुविधाओं का अधिकतर लाभ भी वही किसान उठा रहे हैं जो कर्ज चुकाने की स्थिति में हैं। यदि किसानों को खेती से लाभ दिलाने के लिए दीर्घकालिक उपायों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो स्थिति और भयानक हो सकती है। किसानों का पूरा काम इतना श्रम आधारित है कि इसमें शरीर तोड़ने वाले श्रम की जरूरत पड़ती है। किसान प्रकृति से भी लड़ता है क्योंकि प्रकृति कभी भी उसके नियम से चलती नहीं है और सरकार के द्वारा बनाई गई तमाम व्यवस्थाएं जो उसके प्रतिकूल जा रही हैं, किसान को उससे भी लड़ना होता है।

साफ है, लागत खर्च बढ़ने से देश के किसानों की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। यहां तक उन्हें अपनी फसल का उचित मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। यही वजह है कि अब किसानों के लिए खेती लाभप्रद व्यवसाय नहीं रह गई है और खेती से मोहभंग के कारण वे लगातार रोजगार के वैकल्पिक उपायों को अपना रहे हैं। अगर किसानों और कृषि के प्रति यही बरखी रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब हम खाद्य असुरक्षा की तरफ तेजी से बढ़ जाएंगे। जोकि देश की खाद्य सुरक्षा के लिए खरबों का संकेत है। खाद्य पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमत हमारे लिए खतरे की घंटी है। आयातित अनाज के भरोसे खाद्य सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती। इस देश के किसानों को आर्थिक उदारवाद के समर्थकों की सहानुभूति की जरूरत नहीं है। अगर देश की हालत सुधारनी है, गरीबी मिटानी है और किसानों की हालत में सुधार करके उनका जीवन स्तर ऊपर उठाना है तो सबसे पहले कृषि क्षेत्र की हालत सुधारना सबसे आवश्यक है। देश की आधी से ज्यादा आबादी कि स्थिति सुधारे बिना देश का विकास नहीं हो सकता है, इसलिए जरूरत है इसकी महत्ता को कागज़ों से निकाल कर किसानों के बीच ले जाने की।

(लेखक चरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर दें ध्यान

महाभारत में दो ख़ास परिवार हैं, पहला पांडव और दूसरा है कौरव। पांडव परिवार में कुंती और पांच पुत्र थे। जबकि कौरव परिवार में धृतराष्ट्र और गांधारी के साथ ही सौ पुत्र थे। पांडवों के पास सुख-सुविधाओं का अभाव था, जबकि कौरवों के पास सारी सुख-सुविधाएं थीं। महाभारत में कुंती अपने पांच पुत्रों के साथ वन में रह रही थीं, क्योंकि धृतराष्ट्र और दुर्योधन नहीं चाहते थे कि पांडु के पुत्रों को राण्य मिले। धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन अधर्मी था। वह बचपन से ही पांडव पुत्रों को परेशान कर रहा था। कुंती के पति पांडु शाप की वजह से मर चुके थे। पांडु की दूसरी पत्नी माद्री भी जीवित नहीं थी। इन दोनों के बाद कुंती को पांच पुत्रों का पालन करना था। तीन पुत्र कुंती के थे और दो पुत्र माद्री के थे। कुंती जानती थीं कि जंगल में तो कोई सुख-सुविधा तो मिलेगी नहीं, इसलिए कुंती ने बच्चों का पालन करते समय संस्कारों पर ज्यादा ध्यान दिया। दूसरी ओर कौरव पक्ष में धृतराष्ट्र अंधे थे, गांधारी ने भी आंखों पर पट्टी बांध ली थी। दुर्योधन और उसके भाई लगातार गलत काम कर रहे थे, लेकिन माता-पिता ने उनकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि सभी कौरव पुत्र अधर्मी हो गए। महाभारत युद्ध में जब श्रीकृष्ण ने ये निर्णय लेना था कि किसके पक्ष में रहेंगे, तब उन्होंने धर्म मार्ग पर चल रहे पांडव पुत्रों को चुना। धृतराष्ट्र और गांधारी ने अपने पुत्रों को सुख-सुविधा की हर एक चीज दी थी, लेकिन अच्छे संस्कार नहीं दिए थे।



असुरक्षा का सामना

यूक्रेन में लाखों लोग बढ़ते मय और असुरक्षा का सामना कर रहे हैं, क्योंकि युद्ध जारी है और सर्दियों की स्थिति शुरू हो गई है। संयुक्त राष्ट्र और सझेदारों का लक्ष्य आने वाले महीनों में 1.7 मिलियन लोगों तक महत्वपूर्ण आपूर्ति पहुंचाना है।

-एटोनियो गुतेर्रेस, यूएन महासचिव



गाजा में भयानक संकट

मैं उन मौकों की गिनती मूल गया हू जब मैंने सोचा था कि गाजा में संकट इससे भयावह नहीं हो सकता। लेकिन ऐसा फिर से हुआ है। हम 3 महीनों में 20,000 लोगों के मारे जाने की बात कर रहे हैं, जिनमें ज्यादातर बच्चे, महिलाए शामिल हैं।

-टैड्रोस, डब्ल्यूएचओ महानिदेशक

खुशी फैलाता जीवन

तितली का जीवनकाल केवल कुछ दिनों से लेकर एक सप्ताह तक का होता है। फिर भी यह कितने आनंद से इशर-उशर उड़ता है! यह हर किसी में खुशी और पसन्नता फैलाता है। हमारा जीवन भी ऐसा ही होना चाहिए।

-माता अमृतानंदमयी, आध्यात्मिक गुरु

ग्रामीण भारत बहुत सुंदर

ग्रामीण भारत बहुत सुंदर है, माता-पिता के रूप में, हमें पौरोगिकों से दूर रहना बहुत कठिन लगता है, इसलिए हम आने बच्चों के लिए मित्राल कायम कर रहे हैं। बच्चों को ग्रामीण जीवन से परिचित कराने के लिए उदयपुर के अडिगा गाँव का दौरा किया।



अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फ़ैक्स :

0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से :

hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।



मान. श्री विष्णुदेव साय जी
(मुख्यमंत्री)

मान. डॉ. रमन सिंह जी
(विधानसभा अध्यक्ष)

मान. श्री अरूण साव जी
(उप मुख्यमंत्री)

मान. श्री विजय शर्मा जी
(उप मुख्यमंत्री)

मान. श्री किरण देव सिंह जी
(भाजपा प्रदेश अध्यक्ष)



मान. श्री बृजमोहन
अग्रवाल

मान. श्री रामविचार
नेताम

मान. श्री केदार
कश्यप

मान. श्री दयालदास
बघेल

मान. श्री ओ.पी.
चौधरी

मान. श्री लखनलाल
देवांगन

श्रीमती लक्ष्मी
राजवाड़े

मान. श्री श्यामबिहारी
जायसवाल

मान. श्री टंकराम
वर्मा

**माननीय श्री किरण सिंह देव जी को
भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष एवं
सभी नवनियुक्त केबिनेट मंत्री
(छ.ग. शासन) बनने की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं.**

आपका सेवक : **प्रीतेश गांधी**
प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य भाजपा छत्तीसगढ़



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के (मन की बात) प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को अवश्य श्रवण करें.

